# यूपीईएस की पहल से शोध व उद्यमिता को बढ़ावा: डा. शर्मा

■ यूपीईएस के दीक्षांत समारोह में टॉपर्स को किया सम्मानित

उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित करते विवि के अधिकारी।

**देहरादून (एसएनबी)।** यूपीईएस का 22वां दीक्षांत समारोह शानदार ढंग से सम्पन्न हो गया। पांच दिनों तक दीक्षांत समारोह में यूपीईएस के सातों स्कूलों के टापर्स को सम्मानित किया गया। साथ ही सामाजिक व राजनीतिक हास्तियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया।

मंगलवार को आयोजित समारोह में यूपीईएन उत्कृष्ट योगदान के लिए कलिंगा इंस्टीट्यूट आफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलाजी और कलिंगा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज के संस्थापक सचिव प्रोफेसर अच्युत सामंत को शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन में प्रभावशाली कार्य के लिए सम्मानित किया गया। ब्रिटिशा-भारतीय व्यवसायी लार्ड करण बिलिमोरिया को क्रास कल्चरल लीडरशिप में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान यूपीईएस ने अपने रिसर्च एक्सीलेंस और ग्लोबल प्रभाव का प्रदर्शन किया। साथ ही विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पीएचडी कार्यक्रमों और रिसर्च अवसरों के लिए सालाना लगभग 13 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाता है और प्रत्येक फैकल्टी सदस्य के लिए औसतन चार प्रकाशन होते हैं। रिसर्च आउटपुट के आधार पर यूपीईएस भारत के सबसे तेजी से बढ़ते विवि के रूप में स्थापित हो रहा है। इसके अलावा पिछले वर्ष 6844 छात्रों को योग्यता के आधार पर 45.97 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। यूपीईएस के वाईस चांसलर डा. राम शर्मा ने कहा विवि शिक्षा, रिसर्च और सहयोग की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करता हैं। विवि की पहल ने प्रभावशाली शोध और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है।